उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा– मार्च, 2008
अंक–योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध 2/1
2/2
2/3

कक्षा : **XII**

सामान्य निर्देश :

1. अंक–योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर–बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएं।
2. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक–योजना पर भली–भाँति आद्योपांत विचार–विनिमय नहीं हो जाता, तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।
3. मूल्यांकन अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके अंक–योजना के निर्देशानुसार ही किया जाए।
4. प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएं। बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिए में लिख कर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक देकर उन्हें गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का अतिरिक्त उत्तर भी लिख दिया है तो अपेक्षाकृत अच्छे उत्तर पर अंक देकर दूसरे अतिरिक्त उत्तर को काट दिया जाए।
7. संक्षिप्त, किन्तु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्व देने की उपेक्षा है।
8. बार–बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।
9. अपठित गद्यांश और काव्यांश के प्रश्नों में परीक्षार्थियों की समझ, बोध क्षमता और ग्रहणशीलता का परीक्षण किया जाता है, अतएव इनके उत्तरों में अभिव्यक्तिगत योग्यता को अधिक महत्त्व न दिया जाए जिससे परीक्षार्थियों को अकारण हानि हो।
10. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात् परीक्षार्थियों ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे शत–प्रतिशत अंक दिए जाएं।

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2008
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3
कक्षा **XII**

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
1.				काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	2+2+2+2+2 =10 अंक
	1(क)	1(क)	1(क)	• अपनत्व/अपनापन/घनिष्ठ संबंधों का दायरा। • जाल की तरह अपनेपन में गांव परिवार आदि को समेट लेने का फैलाव होता है	
	(ख)	(ख)	(ख)	• कवि के स्व का पसारा/फैलाव पहले पूर्ण मानव समाज तक विस्तृत था। • स्वार्थपरता और बदलते मूल्यों के कारण अब उसका स्व संकुचित एवं आत्म केन्द्रित हो गया है। • क्योंकि अब वह स्वार्थपरक हो गया।	
	(ग)	(ग)	(ग)	• फूलों पर बैठी पराग समेटती मधुमक्खियों को देखकर कवि को अपने पूर्वजों की याद आती है। • समस्त मानव समाज को उसकी विविधताओं के बावजूद वे उसे विविध पुष्पों से सजे एक उद्यान की तरह देखते हैं।	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	(घ)	(घ)	(घ)	• उदारता, मानवीयता, अपनत्व सबको स्वीकारने और साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति जीवन को सौहार्दपूर्ण तरीके से जीने की ललक (या कोई और बिन्दु)	
	(ड.)	(ड.)	(ड.)	• संबंधों की प्रगाढ़ता और अपनत्व से अलग मानवता व सामाजिक एकता संग्रहालयों में पड़ी वस्तुओं व शिलालेखों पर लिखे सूत्रों की तरह महत्वहीन एवं अप्रासंगिक होकर रह गई है, व्यावहारिक नहीं रही।	
				अथवा	
	(क)	(क)	(क)	• देश की आध्यात्मिकता, नैतिकता एवं चारित्रिक उच्चता।	
	(ख)	(ख)	(ख)	• प्राचीन परंपरा को नहीं छोड़ते हुए भी, आधुनिकता को स्वीकार करने की प्रवृत्ति।	
	(ग)	(ग)	(ग)	• इस देश में आध्यात्मिकता शिखर पर रही है। दार्शनिकों ने आत्मा–परमात्मा के संबंध में चर्चा की है।	

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2008
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3
कक्षा **XII**

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	(घ)	(घ)	(घ)	• प्रकृति के विभिन्न उपादन (पर्वत, समुद्र,नदियां आदि) देश का सत्कार करते हैं।	
	(ड.)	(ड.)	(ड.)	• इतिहास के विभिन्न कालों में भारत विश्व को शांति की महानता का पाठ पढ़ाता आया है। • विश्व शांति के लिए गौतम बुद्ध, सम्राट अशोक, महात्मा गांधी ने प्रयास किए। (कोई एक)	
2	2(क)	2(क)	2(क)	गद्यांश से पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित : • यह स्वाभाविक काल प्रतीत होता है, क्योंकि इस काल में समाज का स्वाभाविक विकास हुआ। • आज भी लोग वैदिक काल को आदर्श काल के रूप में देखते हैं।	2X5 = 10 अंक
	(ख)	(ख)	(ख)	• बुद्ध ने नारी को भी पुरुष के समकक्ष स्थापित किया और उन्हें भी साधना के द्वारा मोक्ष की अधिकारिणी माना।	

परीक्षा – मार्च, 2008

अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)

कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3

कक्षा **XII**

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	(ग)	(ग)	(ग)	• सांसारिक कर्मों को छोड़कर संन्यास धारण करना। • भिक्षु को गृहस्थ से हीन मानना।	
	(घ)	(घ)	(घ)	• समाज का सर्वाधिक कर्मठ युवा वर्ग अकर्मण्य होकर समाज पर बोझ बन जाता है।	
	(ड.)	(ड.)	(ड.)	• भारत में बौद्ध दर्शन का प्रभाव । आधुनिकता एवं बौद्ध धर्म। (कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें।)	
3	3	3	3	निबंध भूमिका एवं समापन 1/2+1/2 अंक विषय वस्तु निरूपण 3 अंक शुद्ध भाषा एवं प्रभावी प्रस्तुति 1 अंक (शब्द सीमा पर ज्यादा ध्यान न दिया जाए)	कुल 5 अंक

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2008
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3
कक्षा **XII**

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
4	4	4	4	पत्र प्रारंभ एवं अंत की औपचारिकताओं के निर्वाह के लिए। 2 अंक प्रश्नानुरूप विषय वस्तु 2 अंक शुद्ध भाषा एवं प्रभावी प्रस्तुति 1 अंक	कुल 5 अंक
5	5(क)	5(क)	5(क)		
				• अखबारों, पत्र--पत्रिकाओं, पुस्तकों में छपी जनसंचार सामग्री।	1 अंक
	(ख)	(ख)	(ख)		
				• विचारपरक लेखन का एक रूप जो नियमित रूप से समाचार पत्र या पत्रिका में स्थान विशेष पर छपता है।	1 अंक
	(ग)	(ग)	(ग)		
				• संपादकीय पत्र–पत्रिका विशेष का दृष्टिकोण होता है, किसी व्यक्ति विशेष का नहीं।	1 अंक
	(घ)	(घ)	(घ)		
				• दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर, दैनिक हिन्दुस्तान, नवभारत टाइम्स (या कोई अन्य)	1 अंक

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2008
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3
कक्षा **XII**

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	(ड.)	(ड.)	(ड.)	• अंशकालिक पत्रकार (स्ट्रिंगर) किसी पत्र–पत्रिका में निश्चित मानदेय पर कार्य करने वाला पत्रकार होता है।	1 अंक
6	6	6	6	फीचर लेखन विषय प्रतिपादन 2 अंक विषय प्रस्तुति 2 अंक भाषा की शुद्धता 1 अंक	कुल 5 अंक
				खंड–ग	
7				किन्हीं दो काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित है। कवि और कविता का नामोल्लेख 1/2+1/2= 1 अंक प्रसंग – पूर्वापर संबंध निर्वाह 1/2 अंक प्रमुख बिन्दुओं का स्पष्टीकरण 3 अंक भाषा की शुद्धता 1/2 अंक	2 X 5= 10 अंक

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2008
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3
कक्षा **XII**

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	7 (क)	7 (क)	7 (क)	कवि – गोस्वामी तुलसीदास। कविता – कवितावली। प्रसंग इसमें भक्त हृदय के आत्मविश्वास का चित्रण है और प्रतिकूल सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों के प्रति बेपरवाही। व्याख्या बिन्दु • संकीर्णता एवं कट्टरता के प्रति विरोध का स्वर। • जातीय समीकरणों व सामाजिक संबंधों की प्रतिकूलता की चिंता नहीं। • श्रीराम के प्रति आगाध निष्ठा एवं दास्य भाव की भक्ति। • मांग कर खाना, मंदिर–मस्जिद में सोना और सांसारिकता से विरक्त होकर फक्कड़पन में रहना।	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	(ख)	(ख)	(ख)	कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'। कविता – बादल–राग। प्रसंग बादल को क्रांति और विप्लव का प्रतीक मान कर उनका आह्वान किया गया है। व्याख्या बिन्दु • प्रकृति की शक्ल के रूप में बादल से क्रांति के द्वारा शोषण समाप्त कर सर्वहारा वर्ग को नवजीवन प्रदान करने को कहा गया है। • वायु रूपी सागर पर बादलों की छाया अस्थिर सुखों पर दुखों की छाया के समान। • संसार की दुखी हृदयों पर निष्ठुर क्रांति का फैलाव। • क्रांति का प्रतीक बादल प्रचंड गर्मी (शोषण) से पीड़ित समाज को नवीन और आनंद का संदेश देता है। • हथियारों व युद्ध सामग्री से भरी युद्ध नौका (रणतरी) की तरह बादल रूपी क्रांति जनसामान्य की आकांक्षाओं को संजोए हुए है।	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	(ग)	(ग)	(ग)	• बादलों की घनघोर गर्जना सुन कर पृथ्वी के हृदय में सोए अंकुर नवजीवन प्राप्त करने की और सुखी जीवन बिताने की अभिलाषा से सजग हो जाते हैं। कवि – हरिवंश राय बच्चन। कविता – आत्म–परिचय। प्रसंग कवि आत्म परिचय देते हुए दुनिया से अपने द्वंद्वात्मक संबंधों का रहस्य प्रकट कर रहा है। व्याख्या बिन्दु • कवि यौवन की मस्ती में जीवन को आनंद से जी रहा है। • इस यौवन की मस्ती में दुख–सुख का मिला–जुला भाव है। • सदा साथ रहने वाली प्रिय को स्मृति संयोग के क्षणों में आनंददायक होती है और वियोग की अवस्था में पीड़ा–जनक बन जाती है।	

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2008
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3

कक्षा XII

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
8	8(क)	8(क)	8(क)	किसी एक काव्यांश के तीनों प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित। • कविता को कल्पना की एक मोह उड़ान माना है। • चिड़िया की सीमित उड़ान कविता की व्यापक एवं असीम उड़ान को पहचान नहीं पाती। • रचनात्मक ऊर्जा (कविता) बंधनविहीन होती है। उसकी सीमा में अतीत, वर्तमान और भविष्य सभी कुछ समा जाता है। (कोई दो बिन्दु)	2+2+2=6 अंक
	(ख)	(ख)	(ख)	• सरल सुबोध एवं व्यावहारिक भाषा। • चिड़िया के माध्यम से कविता के सामर्थ्य का परोक्ष वर्णन। • प्रसाद गुण, मुक्त छंद, प्रश्न शैली, लाक्षणिकता, तद्भव प्रधान खड़ी बोली। (कोई दो बिन्दु)	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	(ग)	(ग)	(ग)	• चिड़िया की उड़ान सीमित क्षेत्र में होती है। • कवि जब कल्पना के पंख लगाकर कविता को उड़ाता है तो चिड़िया उसके क्षेत्र का अनुमान नहीं लगा पाती।	
				अथवा	
	(क)	(क)	(क)	• बालक जन्म से ही कपास के समान कोमल और आकर्षक होते हैं।	
	(ख)	(ख)	(ख)	• पतंगों को उड़ाने के फेर में बालक जब बेसुध होकर छतों पर दौड़ते हैं तब ऐसा लगता है मानो छत भी कोमल हो गई है। • नंगे पांव छतों पर दौड़ते हुए बच्चों को छतों की कठोरता का भी एहसास नहीं होता।	
	(ग)	(ग)	(ग)	• वे पतंग की डोरी और अपने शरीर की लोच के कारण ही गिरने से बचते हैं।	

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2008
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3
कक्षा **XII**

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	(ग)	(ग)	(ग)	• इनकी चाल की चंचलता व तीव्रता ऐसी प्रतीत होती है मानो झूले पर पैंग बढ़ा रहे हों।	
9	9(क)	9(क)	9(क)	(किन्हीं दो का उत्तर अपेक्षित) • कवि ने अपने जीवन की कटु मधुर स्मृतियों, सुख–दुखपूर्ण परिस्थितियों, व्यक्तित्व की दृढ़ता और खट्टे–मीठे अनुभवों आदि सबको सहर्ष स्वीकार किया है क्योंकि उसके जीवन में जो कुछ है, वह सब उसके प्रिय को प्यारा है।	2+2+=4 अंक
	(ख)	(ख)	(ख)	• राम सामान्य जन के समान अपने भाई लक्ष्मण के मूर्छित होने पर विलाप कर रहे हैं। • लक्ष्मण के प्रति राम का प्रेम कई रूपों में उजागर होता है। उन्हें लक्ष्मण के मृदुल स्वभाव अपने प्रति निष्काम निष्ठा आदि की याद आती है। • भाई के बिना वे अपनी स्थिति पंख बिना पक्षी, मणि बिना सर्प तथा सूंड विहीन गज की भांति समझते हैं। (कोई दो बिन्दु)	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	(ग)	(ग)	(ग)	• दोनों में आकार की समानता के साथ बुआई, अंकुरण, विकसित दशा में भी समानता है। • जिस प्रकार किसान खेत में बीजारोपण करता है, उसी प्रकार कवि रचना को शब्दों में कागज पर उतारता है।	
10	10(**i**)			किन्हीं एक गद्यांश के चारों प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित : • देश के प्रति कर्त्तव्य पालन का अभाव • अधिकार के प्रति लड़ते हैं परंतु कर्तव्य पालन से मुंह मोड़ते हैं। • स्वार्थ ही मूल कारण है। (किन्हीं दो बिन्दुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2+2+2+2 =8 अंक
	(**ii**)			• देश के नागरिकों में देश–हित की भावना का अभाव क्योंकि स्वार्थ ही एकमात्र लक्ष्य।	
	(**iii**)			• देश में बढ़ते हुए भ्रष्टाचार की आलोचना करते हैं।	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	(iv)			• क्योंकि हम भी इसी भ्रष्ट तंत्र का अंग हैं और हमारा आचरण भी भ्रष्ट है। • हमारे देश में प्रतिवर्ष करोड़ो–अरबों की योजनाएं बनती हैं लेकिन सामान्य जनता तक पहुंचने से पहले भ्रष्ट अधिकारियों का शिकार बन जाती हैं। • सारा पैसा भ्रष्ट अधिकारी पहले ही हड़प लेते हैं और इनके लाभार्थी प्यासे ही रह जाते हैं।	
				अथवा	
	(i)			• क्योंकि अवधूत संन्यासी की तरह शिरीष भी सुख–दुख में समभाव रखता है वह किसी भी स्थिति में हार नहीं मानता। उसे किसी से कोई लेना–देना नहीं। वह आठों प्रहर मस्त रहता है। • शिरीष वृक्ष लेखक के मन में, कष्ट के क्षणों में भी निरंतर आगे बढ़ते रहने का भाव जगाता है।	
	(ii)			• चिलकती धूप–जीवन के असह्य कष्टों का प्रतीक है। शिरीष की जीवंतता हमें कठिनाइयों को धैर्यपूर्वक सहने की प्रेरणा देती है।	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	(iii)			• लेखक का संकेत देश के बंटवारे के समय हुए नरसंहार, अन्याय, अत्याचार, लूट–खसोट की ओर है। जीवन के आकाश पर भी ये सभी घटनाएं घटित होती हैं।	
	(iv)			• बूढ़ा शब्द गांधी जी की ओर संकेत कर रहा है। • उन्होंने भी शिरीष की तरह कठिनाइयां सह कर संसार के सम्मुख आदर्श प्रस्तुत किए हैं। • वे भी अवधूत थे – उनके जीवन–मूल्य भी दूसरों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।	
		10(**i**)		• बाजार का जादू आंखों की राह काम करता है। चीजों को देख कर हम उन्हें खरीदने के लिए आकर्षित होते हैं। • चीजों का रूप हमें प्रदर्शित चीजों को खरीदने के लिए प्रेरित करता है।	
		10(**ii**)		• पैसा पास होने पर खरीदने की इच्छा न होते हुए भी व्यक्ति वस्तु के रूप आकर्षण से मुग्ध हो कर उसे खरीदने को लालायित हो उठता है।	

कक्षा XII

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
		10(iii)		• व्यक्तियों में खरीदने का सामर्थ्य होता है और मन में वस्तु के प्रति आकर्षण भी।	
		10(iv)		• फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि बाधा उत्पन्न करती है। • इससे थोड़ी देर के लिए ही हमारे स्वाभिमान को बल मिलता है।	
				अथवा	
	–	10	–	• महामारी से संत्रस्त गांव का वातावरण दिन में कम और रात को ज्यादा भयावह। • कुत्तों और सियारों के रोने से रात डरावनी हो जाती है। • आपदाओं से मरने वालों की संख्या रात्रि के वातावरण को और भी डरावना बना देती है। • ढोलक उस वातावरण में जीवंतता का संदेश देते हुए विभीषिका को चुनौती देती है।	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
			(ii)	• महामारी से ग्रस्त गांव के अधमरे उपचार विहीन लोगों को ढोलक की थाप से राहत मिलती थी। • ढोलक उनमें संजीवनी शक्ति भरती थी। • उनकी शक्ति शून्य रगों में बिजली दौड़ जाती थी।	
			(iii)	• दंगल के दृश्य से अभिप्राय पहलवानों के आपस में लड़ने के दृश्य से है। • इसकी कल्पना मात्र से ही मरणासन्न लोगों में बिजली सी दौड़ जाती थी।	
			(iv)	• ढोलक की आवाज में बीमारियों को कम करने की शक्ति नहीं थी। • ढोलक से संजीवनी शक्ति लेकर लोग मृत्यु को भी निडर होकर स्वीकार कर लेते थे। • जो व्यक्ति उस आवाज से जितना अधिक प्रभावित होता, मृत्यु से उतना ही कम डरता था।	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
			10(i)	• शिरीष के फल ऐसे नेताओं की पद–लोलुपता के प्रतीक हैं जिन्हें समय और नैतिकता का ज्ञान नहीं होता।	
			(ii)	• नई पीढ़ी के लोग पुरानी पीढ़ी को उनके स्थान/पद से हटाने के प्रयत्न में लगे रहते हैं और ऐसा करके ही दम लेते हैं।	
			(iii)	• समय परिवर्तनशील है। • हमें परिवर्तन स्वीकार कर लेना चाहिए।	
			(iv)	• उन नेताओं की याद आती है जो जमाने का रुख नहीं पहचान पाते और तब तक अपने पद पर बने रहना चाहते हैं जब तक उन्हें धक्का देकर निकाल न दिया जाए।	

परीक्षा – मार्च, 2008

अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)

कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3

कक्षा **XII**

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
10			10(i)	अथवा • होली का त्योहर ही ऐसा त्योहर है जहां व्यक्ति स्वयं पर हंसता है और स्वयं की हास्यास्पद बना लेता है।	
			(ii)	• लोक संस्कृति में अपने ऊपर हंसने की परंपरा है किन्तु नगर सभ्यता में तो अपने पर हंसने का लेशमात्र भी अवसर नहीं रहता।	
			(iii)	• अंग्रेज जैसे व्यक्तियों से लेखक का अभिप्राय श्रीमंतों, सामंतों, शासकों और संभ्रांत वर्ग से है। • चैप्लिन ऐसे व्यक्तियों को भी हंसी का मौका देते हैं।	
			(iv)	• जो लोग गर्व से उन्मत्त हैं, शक्तिशाली और श्रेष्ठ हैं, वे अपनी पहचान भूले रहते हैं। • वे दूसरों को अपने पर हंसने का अवसर नहीं देना चाहते।	

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2008
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3

कक्षा XII

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
11	(1)			किसी एक गद्यांश के चारों प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं :	3+3+3+3 =12 अंक
	(क)			• लक्ष्मी का अर्थ है – धन–दौलत की देवी। • भक्तिन बहुत ही गरीब और सताई हुई औरत थी इसलिए 'लक्ष्मी' नाम को छिपाती थी। • उसे यह नाम उसके माता–पिता ने दिया होगा क्योंकि माता–पिता अपने बच्चों में वह देखना चाहते हैं जो उनमें भी नहीं है।	
		(ख)		• पैसे का विवेकपूर्ण उपयोग करके। • आवश्यकताओं को सीमित करके।	
	(ग)		(घ)	• माता–पिता की मृत्यु के बाद वह अनाथ हो गया और उसका पालन–पोषण सास ने किया। • श्याम नगर दंगल में चांद सिंह को कुश्ती में पछाड़ कर वह राज दरबार का स्थायी पहलवान बना।	

कक्षा **XII**

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
		(घ)		• राजा साहब की मृत्यु के बाद उसे दरबार से हटा दिया गया और वह अपने गांव लौट आया। • पुत्रों की मृत्यु के बाद वह चार–पांच दिन अकेला रहा और फिर स्वयं भी मर गया। • राजकपूर की 'आवारा' फिल्म में चार्ली का भारतीयकरण लेखक ने देखा है। • इस फिल्म के माध्यम से चार्ली की फिल्मों की परंपरा भारत में आई। भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की परंपरा से हट कर आवारा, बाबुल, कोहिनूर, लीडर, नौ–दो ग्यारह आदि फिल्मों में अपने ऊपर हंसने की परंपरा चार्ली के कारण ही आई। • गांधी और नेहरू को भी चार्ली का यह प्रयोग अच्छा लगा अतः उन दोनों में भी उसके सामीप्य की कामना रही।	
	(ड.)		(ड.)	• वह भावनाओं को महत्व देती है। • वह बुद्धि से भी चतुर है। • वह चोरी–छिपे काम करना पसंद नहीं करती।	

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2008
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3
कक्षा **XII**

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	–	11(क)	–	• वह स्पष्टवादी है और उसमें परिस्थितियों से जूझने का साहस है।	
		(ख)		• रात को मकई का बना दलिया, सुबह मट्ठे के साथ लेना अच्छा लगता है। • तिल लगाकर बनाए हुए बाजरे के पुए गरम कम अच्छे लगते हैं। • सफेद महुए की लपसी संसार भर के हलुए को लजा सकती है आदि। • जीजी ने लेखक को समझाते हुए कहा यह सब अंधविश्वास नहीं है। हम इन्हें पानी–पानी नहीं देंगे तो इन्द्र देवता हमें पानी कैसे देंगे? • ये पानी का अर्घ्य चढ़ाते हैं जो चीज मनुष्य पाना चाहता है उसे पहले देगा नहीं तो पाएगा कैसे? इसलिए मुनियों ने दान को सबसे ऊंचा स्थान दिया है।	
		(ग)		• चार्ली स्वयं पर सबसे ज्यादा तब हंसता है जब वह स्वयं गर्वोन्मत्त, आत्म विश्वास से लबरेज सफलता,	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
		(घ)		सभ्यता समृद्धि की प्रतिमूर्ति, दूसरों से ज्यादा शक्तिशाली दिखलाता है वह तब कोई ऐसा अवसर उत्पन्न कर देता है कि वह हास्य का आलंबन बन जाता है। • दोनों देशों की सभ्यता–संस्कृति एक है, केवल राजनीतिक विभाजन हुआ है। • एक–दूसरे देश में आने–जाने की चाहत है पर राजनीतिक कठिनाइयां हैं। • एक–दूसरे देश की चीजों से लगाव है, उन्हें मंगाना–पाना चाहते हैं पर कस्टम का पहरा है। (कोई और बिन्दु)	
		(ड.)		• जिस प्रकार शिरीष का पुष्प आंधी, लू और गर्मी की प्रचंडता में भी अविचल भाव से चारों ओर कोमलता और सौंदर्य ही बिखेरता है उसी प्रकार एक व्यक्ति को भी जीवन की कठिनाइयों के मध्य संघर्ष करते हुए धैर्यशील बना रहना चाहिए।	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
			11(क)	• आज भी कन्या संतान को महत्व नहीं दिया जाता। • पुत्र की कामना की जाती है। • कन्या की माँ की उपेक्षा की जाती है। • ऐसी प्रवृत्ति को रोका जाना चाहिए। • लड़का–लड़की में समानता का व्यवहार होना चाहिए। • शिक्षा के प्रचार–प्रसार के माध्यम से समाज को जागरूक कर इस समस्या का निदान हो सकता है।	
			(ख)	• वे खुली आंख तुष्ट मन और मग्न भाव से चौक–बाजार से चले जाते हैं। • तरह–तरह के आकर्षक व बढ़िया माल को देखकर भी वे भौचक्के नहीं होते। • आवश्यकताओं को सीमित कर वे केवल उसी सामान को खरीदते हैं जिसकी जरूरत है। • उपभोक्तावादी बाजार व्यवस्था में भगत जी की तरह स्वाभिमान, संयम, दृढ़ निश्चय और आवश्यकतानुसार खरीद से व्यक्ति के जीवन में तनाव कम हो सकता है। (किन्हीं तीन बिन्दुओं का उल्लेख अपेक्षित)	

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2008
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3
कक्षा **XII**

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
			(ग)	• वर्षा, पानी, बैल भोजन सबका पारस्परिक संबंध है। • बैलों के प्यासा रहने का अर्थ है–वर्षा का अभाव। • वर्षा न होने से खेती सूखती है। उसके साथ पशुधन की हानि भी होती है। • बैल कृषि प्रधान संस्कृति का मेरुदंड रहा है – यदि बैल प्यासा रहकर मर गया तो खेत कैसे जोता जाएगा। • इसलिए इंदर सेना के गीत में ईश्वर से प्रार्थना की गई है कि बैलों को पानी देकर संसार को भूख से बचाना चाहिए।	
12	12(क)	12(क)	12(क)	(किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित) • हाँ कहा जा सकता है। • क्योंकि पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के कारण पीढ़ी का अंतराल बढ़ता जा रहा है। • यशोधर के बच्चे आधुनिकता को अधिक • महत्व देते हैं। • यशोधर बाबू पाश्चात्य सभ्यता से प्रभावित मेहमानों से भी बचना चाहते हैं।	3+3+3=9 अंक

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	(ख)	(ख)	(ख)	• सिल्वर वैडिंग के समारोह में वे केक काटने से बचना चाहते हैं। (किन्हीं तीन बिन्दुओं का उल्लेख) • मराठी पढ़ाते थे। • स्वयं कवि थे अतः कविता सुनाते। • पढ़ाते समय तल्लीन हो जाते। • काव्य पाठ बहुत सरस। • लय, गति, ताल का ज्ञान।	
	(घ)	(घ)	(घ)	• अनेक कविताएं (अंग्रेजी की भी) कंठस्थ थीं। • अभिनय के साथ कविता का भाव ग्रहण कराते। • इन्हीं बिन्दुओं के कारण लेखक के मन में काव्य रचना की प्रेरणा प्राप्त हुई। (किन्हीं तीन बिन्दुओं का उल्लेख) • ऐन ने अपनी डायरी में अज्ञातवास की यातनाओं का वर्णन किया है। • कम उम्र की किशोरी में भावनाओं का वेग बहुत अधिक होता है। उसकी भावनाओं को समझने वाला कोई नहीं।	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/ 2/2	2/ 2/3		
				• अज्ञातवास की घटनाएं – उसके दिमाग में कुलबुलाती रहती हैं। • सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की चिंता। • समय बिताने के लिए पहेलियां बुझाना, बंद और अंधेरे कमरे में रहना, जिसका पर्दा हटाने की इजाजत नहीं। • प्राकृतिक परिवेश से वंचित। • प्राकृतिक आनंद लने की भावना का मर जाना।	
13	13(क)	13(क)	13(क)	• ऐन की डायरी उसके सुख–दुख का भावनात्मक दस्तावेज है। • (किन्हीं तीन बिन्दुओं का उल्लेख) (किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित) • द्वितीय विश्व–युद्ध की विभीषिका का वर्णन है। इस ऐतिहासिक त्रासदी ने संपूर्ण विश्व को प्रभावित किया। जर्मन के नाज़ियों ने यहूदियों पर बहुत अधिक अत्याचार किए। ऐन की डायरी उनका प्रत्यक्ष प्रमाण है जिसमें उनके अज्ञातवास के नारकीय अनुभवों को उजागर किया गया है।	3+3 = 6 अंक

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/ 2/2	2/ 2/3		
	(ख)	(ख)	(ख)	• भूख, गरीबी बीमारी और शारीरिक एवं मानसिक यातनाओं से ज़ख्मी यह समुदाय प्राकृतिक परिवेश से दूर था। • डायरी में विश्व की ऐतिहासिक घटनाएं भी अंकित हैं। (किन्हीं तीन बिन्दुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
				• 'जूझ शब्द का अर्थ संघर्ष है। यह पूरी कथा आत्मकथात्मक शैली में है। • कथानायक की प्रबल इच्छा शक्ति और इच्छा पूर्ति के लिए संघर्ष गाथा है। • वह पढ़ना चाहता है। पिता खेती कराना चाहते हैं। • कथानायक की संघर्ष करने की चारित्रिक विशेषता है। वह संघर्ष कर जीवन को सफल बनाना चाहता है। • वह संघर्ष को आदत बनाता है। • अपने स्कूल जाने की इच्छा को पूरा करता तथा एक बाल कवि के रूप में सफल होता है। (किन्हीं तीन बिन्दुओं का उल्लेख अपेक्षित)	

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2008
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं0 2/1
2/2
2/3
कक्षा **XII**

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
	(ग)	(ग)	(ग)	• यशोधर बाबू और उनके परिवार की सोच में रात–दिन का अंतर है। • यशोधर बाबू परंपरावादी थे। • परिवार नई सोच का समर्थक। • यशोधर की दिनचर्या, पहनावा, सोच, कुमाऊँनी परंपरा का अनुसरण। • सभी कुछ परंपरावादी था। • किंतु पारिवारिक माहौल, बेटों का व्यवहार, पहनावा विचारधारा सभी कुछ नई पद्धति एवं नए जमाने से प्रभावित हैं। • नई सभ्यता एकल परिवार की समर्थक संयुक्त परिवार परेशानियों का कारण। • नई सभ्यता अधिक धन कमाना चाहती है। पुरानी पीढ़ी के लिए पैसा सब कुछ नहीं । (किन्हीं तीन बिन्दुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
14	क			पक्ष • सामाजिक जीवन से जुड़ाव संयुक्त परिवार की व्यवस्था, सामर्थ्य के अनुसार खर्च, पारिवारिक संबंधों का ताना–बाना आदि।	5 अंक

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य--बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
14				• परंपरागत मूल्यों की दृष्टि से यशोधर बाबू के आदर्श विचारों को अपनाना उचित है। विपक्ष • नई पीढ़ी की सोच व्यावहारिक है, आदर्श नहीं। • एकल परिवार व्यवस्था वर्तमान समय की आवश्यकता। • पहनावा अर्वाचीन, समय के अनुकूल। • चूंकि समय परिवर्तित हो चुका है, पुरानी व्यवस्था अक्सर आगे बढ़ने में बाधा डालती है। (पक्ष अथवा विपक्ष में तर्कसंगत उत्तर अपेक्षित) अथवा पक्ष • इस युग की जल संग्रह एवं जल निकासी की योजना बेजोड़। • सामूहिक स्नान के लिए बने महाकुंभ (चालीस फुट लंबा, पच्चीस फुट चौड़ा सात फुट गहरा)	

प्रश्न सं0	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/ 2	2/3		
				• कुंड के पानी को बाहर आने के लिए पक्की ईंटों से बनी ढंकी हुई नालियां। • कुंड के पानी से रिसाव रोकने के लिए और बाहरी अशुद्ध पानी को कुंड में आने से रोकने के लिए कुंड के तल में और दीवारों पर ईंटों के बीच चूने और चिरोड़ी के गारे का प्रयोग। • पानी निकासी का ऐसा सुव्यवस्थित बंदोबस्त अपूर्व।	
14				अथवा विपक्ष • इस युग की भवन व्यवस्था बेजोड़ थी। • सड़कें सुनियोजित थीं। • हथियार भी उस युग से उन्नत। • लोग सादगी पसंद थे। • उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए समाज पोषक सिंधु घाटी की सभ्यता को जल संस्कृति कहना उचित नहीं। (पक्ष या विपक्ष में तर्कसंगत उत्तर अपेक्षित)	